

Padma Shri



SHRI M. ALI MANIKFAN

Shri M. Ali Manikfan is well known for his autodidactic skills in Marine, Ecology and agricultural field.

2. Shri Manikfan Born on 16th March, 1938 in Minicoy Island, Union territory of Lakshadweep, had his elementary education under his Mother Kumari Fathima Manika. There were no school's at that time. When he attained the age of 10, he moved from Minicoy Island to Kannur for formal education. Unfortunately he had to discontinue his school education at 7th standard and returned to his Homeland Minokoy Island from Kannur.

3. Shri Manikfan knows a great number of languages. Besides his mother tongue Divehi (Mahl), he learned English, Hindi, Arabic, Latin, French, Russian, German, Sinhalese, Persian, Sanskrit, Tamil, Urdu and Malayalam. He traveled from Minicoy Island to Kannur several times in sailing vessels and in the meantime he learnt the art of Ship Navigation in the Ocean.

4. While working in Central Marine Fisheries Research Institute. Minicoy Island, Government of India (CMFRI), Shri Manikfan discovered many new marine organisms of which a new fish collected by him was named as Abudeduf manikfan honouring his observation skills and wide knowledge about marine life, Dr. S. Jones (Director of CMFRI-1965) named it as Abudefduf manikfani.

5. Shri Manikfan carried out the construction of an ancient sailing vessel for Irish adventurer Tim Severin who sailed in it from Oman to China. The ship was completely hand-made by sewing the planks with coir rope without using any metal nails. This vessel is still kept for show to public in Muscat.

6. Shri Manikfan also executed many projects for emanating knowledge on Lunar Calendar System in the states of Kerala, Tamil Nadu and Karnataka to help the Muslim Community to unify the festivals of the Muslim Community throughout the world. He visited Saudi Arabia to discuss with authorities on the Lunar calendar.

7. Shri Manikfan uses non-aggressive methods cultivation that take nature in consideration. He purchased 15-acre of barren land for research in agriculture in Valliyur in Thirunelveli District, Tamil Nadu. He produced his own electricity from a windmill which he designed himself. He built a house with eco friendly materials that are naturally available in the region. Now he lives in Calicut in Kerala.



श्री एम. अली मनिकफान

श्री एम. अली मनिकफान समुद्री, पारिस्थितिकी और कृषि के क्षेत्र में अपने स्व-अध्ययन कौशल के लिए विख्यात हैं।

2. 16 मार्च, 1938 को लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के मिनिक्कॉय द्वीप में जन्मे श्री मनिकफान ने प्रारंभिक शिक्षा अपनी मां कुमारी फातिमा मनिका से ग्रहण की। उस समय वहां कोई स्कूल नहीं था। 10 वर्ष की उम्र में, वह औपचारिक शिक्षा के लिए मिनिक्कॉय द्वीप से कन्नूर चले गए। दुर्भाग्य से जब वह 7वीं कक्षा में थे, उन्हें अपनी स्कूली शिक्षा छोड़नी पड़ी और कन्नूर से अपने गृह स्थान मिनिक्कॉय द्वीप आ गए।
3. श्री मनिकफान को कई भाषाओं का ज्ञान है। अपनी मातृभाषा दिवेही (माहल) के अलावा, उन्होंने अंग्रेजी, हिंदी, अरबी, लैटिन, फ्रेंच, रूसी, जर्मन, सिंहली, फारसी, संस्कृत, तमिल, उर्दू और मलयालम भी सीखी। उन्होंने पालपोत से कई बार मिनिक्कॉय द्वीप से कन्नूर की यात्रा की और इसी दौरान उन्होंने महासागर में जलयान चलाना सीखा।
4. सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमएफआरआई), मिनिक्कॉय द्वीप, भारत सरकार में काम करते हुए, श्री मनिकफान ने कई नए समुद्री जीवों की पहचान की, जिनमें से उनके द्वारा पकड़ी गई एक नई मछली का नाम, उनके परख कौशल और समुद्री जीवन के बारे में उनके व्यापक ज्ञान के सम्मानस्वरूप, अबुडेडफ मनिकफान रखा गया है। डॉ. एस. जोन्स (सीएमएफआरआई के निदेशक -1965) ने इसका नाम अबुडेडफ मनिकफान रखा।
5. श्री मनिकफान ने आयरलैंड के साहसी नाविक टिम सेवेरिन के लिए एक प्राचीन पालपोत का निर्माण किया, जिसमें उसने ओमान से चीन की यात्रा की। इस पोत का निर्माण किसी धातु की कील का प्रयोग किए बगैर नारियल की रस्सी से तख्तों को जोड़कर पूरी तरह से हाथ से किया गया था। यह पोत आम लोगों के देखने के लिए अब भी मस्कट में रखा है।
6. श्री मनिकफान ने पूरी दुनिया के मुसलमान समुदाय के त्यौहारों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से मुसलमान समुदाय की सहायता के लिए केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में लूनर कैलेंडर सिस्टम के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं पर काम किया। अधिकारियों के साथ लूनर कैलेंडर पर चर्चा करने के लिए वह सऊदी अरब गए।
7. श्री मनिकफान पारंपरिक तरीके से खेती करते हैं, जिसमें प्रकृति का ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कृषि अनुसंधान के लिए तमिलनाडु के तिरुनेलवेली के वल्लियुर में 15 एकड़ बंजर भूमि खरीदी। उन्होंने स्वयं एक पवन चक्की तैयार की और उससे अपने लिए बिजली बनाई। उन्होंने उस क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से एक घर बनाया। अब वह केरल के कालीकट में रहते हैं।